क्लाइमेट चेंज से नदियों के बहाव में तेजी: स्टडी

नवभारत टाइम्स, 25 जून, 2021, नई दिल्ली

क्लाइमेट चेंज के कारण 2050 तक हिमालयी क्षेत्र से निकलने वाली नदियों में पानी का बहाव बढ़ेगा। एक स्टडी में कहा गया है कि इसके कारण हिमालयी कराकोरम रेंज से निकलने वाली गंगा, सिंधु और ब्रह्मपुत्र जैसी नदियों में पानी के बहाव के पैटर्न में तब्दीली आएगी और सिंचाई और हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स के लिए आने वाले समय में भरपूर पानी मिलेगा, लेकिन अगर क्लाइमेट चेंज के असर पर लगाम नहीं लगाई गई तो भविष्य में दिक्कतें खड़ी हो सकती हैं। इसके कारण देश के बड़े इलाके में पानी की किल्लत पैदा हो सकती है।

आईआईटी इंदौर की एक स्टडी में कहा गया है कि ग्लोबल वॉर्मिंग के कारण हिमालयी कराकोरम क्षेत्र के ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं। इससे इस इलाके से निकलने वाली नदियों में पानी का प्रवाह बढ़ रहा है। इसमें यह भी कहा गया है कि अगर ग्लेशियरों से पिघलने की यही रफ्तार रही और मौसम में क्लाइमेट चेंज के कारण बदलाव जारी रहा तो 2050 के बाद इन नदियों में पानी की कमी हो सकती है। इसरो की एक स्टडी में पाया गया था कि हिमालयी क्षेत्र के ग्लेशियर लगातार सिकुड़ रहे हैं। इस स्टडी में पाया गया है कि गढ़वाल की भिलंगना घाटी के ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं। आईआईटी ने अपनी स्टडी को अंजाम देने के लिए हिमालयी क्षेत्र के ग्लेशियरों पर तैयार किए गए 250 रिसर्च पेपर्स का विश्लेषण किया। उनका कहना है कि आने वाले दिनों में ग्लोबल वॉर्मिंग का ग्लेशियरों पर और ज्यादा गहरा असर पड़ सकता है। इसे रोकने के लिए जरूरी है कि ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में तेजी से कमी लाई जाए।